अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 09 श्री विजय पुरम, शुक्रवार , 09 जनवरी 2026 web: dt.andaman

मत्स्य पालन में प्रतिजैविक प्रतिरोध पर जागरूकता कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 8 जनवरी

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई) ने 3 जनवरी, 2025 को उत्तर अण्डमान के डिगलीपुर क्षेत्र के मीठे पानी के मछली पालकों के लिए मत्स्य पालन में प्रतिजैविक प्रतिरोध (एएमआर) विषय पर पहली बार जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय पशुधन एवं मत्स्य नेटवर्क परियोजना (मत्स्य घटक) के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम आईसीएआर–सीआईएआरआई के कार्यवाहक निदेशक डॉ. जय सुंदर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जागरूकता सत्र के दौरान प्रतिभागियों को मछली पालन एवं रोग प्रबंधन प्रक्रियाओं में प्रतिजैविकों के ज़िम्मेदार एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति संवेदनशील किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. जे. प्रवीणराज ने एक तकनीकी सत्र प्रस्तुत करते हुए जलीय कृषि में प्रतिजैविकों के विकल्पों पर प्रकाश डाला। किसानों को मीठे पानी की जलीय कृषि प्रणालियों में रोग प्रकोप की रोकथाम एवं प्रबंधन हेतु चूना, पोटाश तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल रसायनों एवं उपचार विधियों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में महिला किसानों सहित कुल 50 किसानों ने भाग लिया।